

श्री एम० वी० कृष्णाप्पा : हम बहुत जल्दी एक कमेटी बनायेंगे ।

Sardar A. S. Saigal: May I know whether Co-operative Marketing Boards working in various States have suggested to the Government to set up a Central Co-operative Marketing Board; and, if so, which are those States?

Shri M. V. Krishnappa: It is true that the Societies working in various States have, through their Agriculture Ministers who recently held a Conference in September 1953, suggested that a Central Marketing Board to co-ordinate the activities of all these Marketing Boards in different States will have to be formed. On the advice of this Agriculture Ministers' Conference we have to take the steps.

Sardar A. S. Saigal: Which are the States that have suggested the formation of this Central Board?

Shri M. V. Krishnappa: I would require notice for that.

Shri S. N. Das: May I know whether this organisation that is proposed to be set up will be a statutory organisation or a department of the Government?

Shri M. V. Krishnappa: A Committee will be formed with the Union Agriculture Minister as Chairman. They will go into the details, and whether statutory or non-statutory and all these things will be decided.

चलती रेलगाड़ियों पर हमले

*१६८७. श्री रघुनाथ सिंह : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९५३ में चलती रेलगाड़ियों पर हुये हमलों के परिणामस्वरूप कुल कितने व्यक्ति हताहत हुए ?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Railways and Transport (Shri Shah nawas Khan): Killed—8.

Injured—48.

श्री रघुनाथ सिंह : मैं यह जानना चाहता हूँ कि जिन ट्रेनों में झार० पी० पी० थी उनमें कितनी हत्यायें हुईं ?

श्री शाहनवाज खाँ : उसकी कोई पूरी डिटेल इस वक्त मेरे पास मौजूद नहीं है । लेकिन अगर ग्रानरेबिल मेम्बर जानना चाहेंगे तो मैं बाद में उनको बता सकूंगा ।

श्री रघुनाथ सिंह : जिन ट्रेनों में झार० पी० पी० वाले थे और उनमें हत्यायें हुईं तो क्या उन झार० पी० पी० वालों के विरुद्ध कोई कार्रवाई की गयी ?

श्री शाहनवाज खाँ : गाड़ी में जो झार० पी० पी० वाले चलते हैं वह तीन चार आदमी ही होते हैं और वह एक ही डब्बे में होते हैं । अगर चलती गाड़ी के किसी एक डब्बे में वारदात हो जाय तो यह जरूरी नहीं है कि झार० पी० पी० वाले वहीं मौजूद हों ।

श्री रघुनाथ सिंह : जिन ट्रेनों में झार० पी० पी० थी और हत्याएं हुईं उनमें कितनी हत्याओं की सूचना अधिकारियों को झार० पी० पी० ने दी ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री (श्री एल० वी० शास्त्री) : अगर कोई जुमं होता है और अब उसमें झार० पी० पी० ने ठीक काम किया या नहीं, या उनको सजा दी जाय या नहीं, इसका फैसला रेलवे के हाथ में नहीं है, उसका कंट्रोल उस प्रदेश के इंस्पेक्टर जनरल आफ पुलिस के हाथ में है और वही उसका निर्णय करता है ।

ALL-INDIA TRADES CERTIFICATION INVESTIGATION COMMITTEE

*1688. **Shri S. C. Samanta:** Will the Minister of Labour be pleased to refer to the answer given to starred question No. 549, asked on the 17th August, 1953 and state:

(a) whether the recommendations of the All-India Trades Certification